एक अच्छे व्यक्ति द्वारा उठाया गया एक गलत कदम एक गम्भीर समस्या खड़ी कर सकता है

सन् 1912 में, दुनिया के सबसे बड़े समुद्री यात्री जहाज ने इंगलैंड के लीवरपूल के घाट से अपनी यात्रा आरम्भ की और यह उसकी पहली यात्रा थी। उसकी मंज़िल अमेरिका थी और उसका नाम टाइटैनिक था। टाइटैनिक का निर्माण बहुत अच्छे कारीगरों ने किया था और उसकी पहली यात्रा की पतवार सबसे अनुभवी कप्तान के हाथों में थी। हालाँकि पानी पर बह रहे हिमपर्वतों की चेतावनी पहले ही दे दी गई थी, फिर भी बर्फीले पानी पर आवष्यकता से अधिक गति पर जाने का आदेष दिया गया था। कुछ ही घंटों बाद एक अच्छे व्यक्ति द्वारा लिए गए लापरवाही भरे निर्णय ने एक गंभीर समस्या खड़ी कर दी। जहाज एक हिमपर्वत से जा टकराया और आगे जो कुछ हुआ, उसका गवाह इतिहास है।

परमेष्वर ने हमारे जीवन को बनाया है और उसकी पतवार हमारे हाथों में सौंपी है। प्रतिदिन हमें कई निर्णय लेने पड़ते हैं। हमारे लिए अत्यावष्यक है कि हम अपने जीवन का मार्गदर्षन परमेष्वर के वचन के द्वारा करें कि हमारी यात्रा जारी रह सके, और हमारे लापरवाही भरे निर्णयों से हमें या दूसरों को कोई नुकसान न पहुंचे।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मेरी सहायता करें, कि मैं अपने जीवन के कामों और निर्णयों पर ध्यान दे सकूं। अपना वचन मुझ पर प्रगट करें और सहायता करें कि अपने निर्णय लेने से पहले आपका परामर्ष लेना मेरी आदत बन जाए।

आज के लिए वचन

भजन 119:105 तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।

भजन 37:23 मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है।

हो सकता है कि आप सही हैं और दूसरे गलत, तथापि, यदि वे लोग चिंतित हैं जिन्हें परमेष्वर ने आपके जीवन में रखा है, जो आपसे प्रेम करते और आपके साथ मिलकर सेवा करते हैं, तो आपको सावधान रहना चाहिए

कभी कभी हमारी कुछ चाहतें होती हैं और कभी कभी हम ऐसे फैसले लेने से डरते हैं जो हमें लगता है कि हमारे जीवन के लिए सही हैं। फैसले लेते समय, विषेषकर जब वे जीवन परिवर्तित करने वाले होते हैं, हमें अपने आप को पूर्णतः जांच लेना चाहिए और हमें परमेष्वर के वचन और उसके उन लोगों से परामर्ष लेना चाहिए जिन्हें उसने हमारे जीवन में रखा है।

बहुत बार हमारे अपने अनुमान अस्पष्ट या लघुदर्षी हो सकते हैं जबकि दूसरे लोग उन परिणामों को देख सकते हैं जिन्हें हमने आवष्यक नहीं समझा। कोई भी व्यक्ति पवित्र आत्मा का स्थान नहीं ले सकता परन्तु आप परमेष्वर के लोगों के परामर्ष को भी नज़रअंदाज नही कर सकते। यदि आप अपने अधूरे निर्णयों के बारे में लोगों की राय सुनने से डरते हैं... तो सोचें कि ऐसा क्यों है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, आपकी दिव्य अगुवाई और मार्गदर्षन के लिए और मेरे जीवन में दिव्य संबंधों के लिए आपका धन्यवाद। आपको सुनने के लिए मुझे सुनने के कान और मेरे जीवन में आपकी योजना का अनुसरण करने के लिए बुद्धि दें।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 11:14 जहां बुद्धि की युक्ति नहीं, वहां प्रजा विपत्ति में पड़ती है; परन्तु सम्मति देनेवालों की बहुतायत के कारण बचाव होता है।

edit copy

निर्गमन 18:19 इसलिये अब मेरी सुन ले, मैं तुझ को सम्मति देता हूं, और परमेश्वर तेरे संग रहे। तू तो इन लोगों के लिये परमेश्वर के सम्मुख जाया कर, और इनके मुकद्दमों को परमेश्वर के पास तू पहुंचा दिया कर।

इतिहास गवाह है कि परमेष्वर के लिए महान कार्य करने और कार्यों को महान तरीके से करने के लिए बलिदान देना पड़ता है

परमेष्वर ने हमारे पापों के बलिदान के लिए अपना अतिरिक्त पुत्र नहीं बल्कि एकलौता पुत्र दिया। केवल परमेष्वर ने ही अपना एकलौता पुत्र नहीं दिया बल्कि मरियम ने भी अपना पहलौठा दिया। स्वर्ग और पृथ्वी दोनों को परमेष्वर के लिए महान कार्य करने और कार्यों को महान तरीके से करने के लिए कीमत चुकानी पड़ती है। प्रत्येक उद्देष्य और प्रत्येक प्रक्रिया के लिए कीमत चुकानी और प्रयोजन करना पड़ता है। ऐसा आपके साथ भी हो सकता है।

इतिहास गवाह है कि परमेष्वर के लिए महान कार्य करने और कार्यों को महान तरीके से करने के लिए बलिदान देना पड़ता है। परमेष्वर के राज्य के साहसिक कार्यों से अपना हाथ केवल इसलिए पीछे न खींच लें या केवल इसलिए हार न मान लें क्योंकि इनमें आपके पूर्वानुमान से अधिक समय, ऊर्जा, या प्रयास लगता है। यदि आप अपना कार्य पूरा नहीं करेंगे तो और कौन करेगा? परमेष्वर से पीछे न हटें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे पिता, आपके लिए महान कार्य करने की कीमत आँकनें और कीमत चुकाने का साहस मुझे दें। जब मैं आपके वचन को पढ़ता हूँ, पुराने समयों के संतों, उनके बलिदानों को और विषेषकर उनकी विष्वासयोग्यता के प्रतिफलों को याद करता हूँ तो मेरे विष्वास को फिर से नया करें! मैं आपके और आपके राज्य के लिए महत्त्वपूर्ण बनना चाहता हूँ।

<u>आज के लिए वचन</u>

इब्रानी 10:38–39 और मेरा धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा। पर हम हटनेवाले नहीं, कि नाश हो जाएं पर विश्वास करनेवाले हैं, कि प्राणों को बचाएं।।

मत्ती 19:21–22 यीशु ने उस से कहा, यदि तू सिद्ध होना चाहता है; तो जा, अपना माल बेचकर कंगालों को दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा; और आकर मेरे पीछे हो ले। परन्तु वह जवान यह बात सुन उदास होकर चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।

कभी कभी हमारी ओर से परमेष्वर को अर्पित किया जाने वाला सबसे बड़ा बलिदान वह प्रष्न हो सकता है जिसका हमारे पास कोई जवाब नहीं है ... शायद यह बड़ा विष्वास है!

त्रासदी, दिल का दौरा, असफलता, मृत्यु, धोखा... हमारे जीवन में ऐसी बहुत सारी बातें होती हैं जिनका हमारे पास संतुष्टिभरा कोई जवाब नहीं होता। शायद विष्वास करने का हमारे पास सबसे बड़ा अवसर वह समय होता है जब हमारे पास कोई जवाब नहीं होता, परन्तु हम जानते हैं कि सबकुछ परमेष्वर के नियंत्रण में है।

अय्युब ने अपने दुख के समय में जवाब ढूँढा। उसे बहुत ज्यादा आर्थिक और व्यक्तिगत हानि हुई। अंत में, परमेष्वर ने स्पष्ट कर दिया कि केवल वही प्रभुत्व–संपन्न है। चाहे वह हमें कोई जवाब दे, परन्तु वह हमें किसी भी प्रकार का स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य नहीं है। जिस प्रेमी और हितैषी परमेष्वर की सेवा हम करते हैं, उसका दृष्टिकोण अनन्तता में है जिसकी न तो हम कल्पना सकते हैं और न ही उस पर कोई बहस कर सकते हैं। परमेष्वर पर भरोसा रखें, चाहे यह मूर्खता ही क्यों न लगे।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

edit copy

हे परमेष्वर, आज आप पर पूर्णतः भरोसा रखने में मेरी सहायता करें। इस संसार के हालातों, संकटों और त्रासदियों के बावजूद, मैं यह विष्वास करने का फैसला करता हूँ कि आप मुझसे प्रेम करते हैं, आप मूझे न तो कभी छोड़ेंगे, न ही कभी त्यागेंगे और आपके पास मेरे भविष्य के लिए एक अच्छी योजना है। मेरा आत्मविष्वास केवल आप में है।

आज के लिए वचन
अय्युब 13:15 वह मुझे घात करेगा, मुझे कुछ आशा नहीं; तौभी मैं अपनी चाल चलन का पक्ष लूंगा।

भजन 62:8 तब पृथ्वी कांप उठी, और आकाश भी परमेश्वर के साम्हने टपकने लगा, उधर सीनै पर्वत परमेश्वर, हाँ इस्राएल के परमेश्वर के साम्हने कांप उठा।

हमारे मन हमारे रहने के लिए संसार की रचना करते हैं और निर्धारित करते हैं कि हम अपने संसार में कैसे जीएंगे!

हमारी अपने बारे में सोच, कि हम क्या हैं और क्या कर सकते हैं, हमारे जीवन को सीमित कर सकती है या सीमाओं को उतार कर फेंक सकती है। अपने में से प्रत्येक अपने संसार की रचना स्वयं करता है और उस संसार को अपने विचारों से भरता है। शायद इसी कारण बाइबल हमारे विचारों के बारें में बहुत कुछ बोलती है। वास्तव में, नीतिवचन 23:7 कहता है, "मनुष्य जैसा अपने मन में सोचता है, वह वैसा ही है..."।

आप अपने बारे में क्या सोचते हैं? आप ने कौन सा संसार रचा है? आप जीवन को कैसे स्वीकार कर रहे हैं और कैसे जी रहे हैं? क्या आप विजेता हैं या पीड़ित हैं? क्या आप अपने सफल होने की कल्पना करते हैं या असफल होने की? क्या आप सोचते हैं कि परमेष्वर आपसे प्रेम करता है और उसके पास आपके जीवन के लिए एक योजना है या आप यह महसूस करते हैं कि उसने आपको छोड़ दिया है? आप क्या हैं और आप कैसे जीएंगे, इस युद्ध का आरम्भ और अंत आपके मन में होता है। अपने मन को परमेष्वर के वचन से भर लें और उसे आपके विचारों पर नियंत्रण करने दें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं अपने मन को आपके वचन से भरने और स्वर्ग के नज़रिए से जीवन जीने का फैसला लेता हूँ। मैं आपकी इच्छा के विरूद्ध उठने वाली स्वयं की सारी बेकार कल्पनाओं और विचारों को ढा देता हूँ।

आज के लिए वचन
रोमियों 12:2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

2 कुरिन्थियों 10:4–5 क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खंडन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

फिलिप्पियों 4:8 निदान, हे भाइयों, जो जो बातें सत्य हैं, और जो जो बातें आदरनीय हैं, और जो जो बातें उचित हैं, और जो जो बातें पवित्र हैं, और जो जो बातें सुहावनी हैं, और जो जो बातें मनभावनी हैं, निदान, जो जो सद्गुण और प्रशंसा की बातें हैं, उन्हीं पर ध्यान लगाया करो।

हमारी योजनाओं को बिगाड़ने से पहले परमेष्वर हमारी अनुमति नहीं लेता

edit copy

जीवन एक यात्रा है, एक ऐसी पटकथा जिसे केवल परमेष्वर ही लिख सकता है और इस संसार से परे का साहसिक कार्य है। परमेष्वर हमारे जीवन का आरम्भ करने वाला और अंत करने वाला है और आदि से अंत तक सबकुछ देखता है। हमारा जीवन परमेष्वर की योजना है और वह सबकुछ अपनी इच्छा और उद्देष्य के अनुसार करता है। हो सकता है कि हम अपने मार्ग के बारे में सोच विचार कर रहे हैं परन्तु हमारे कदमों का मार्गदर्षन प्रभु ही करता है।

जो बात आपको हैरानीजनक लग रही है, हो सकता है कि वह परमेष्वर की कोई योजना है और हमारी योजनाओं को बिगाड़ने से पहले परमेष्वर हमारी अनुमति नहीं लेता। जिंदगी मांग करती है हम फैसले लें और परमेष्वर मांग करता है कि उन फैसलों को उसके हाथों में सौंप दें और भरोसा रखें कि वह आवष्यक बदलाव करेगा और और हमारी नहीं बल्कि अपनी इच्छा पूरी करेगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, आज मेरा मार्गदर्षन करें और वह रास्ता चुनने में सहायता करें जिसे आपने मेरे लिए रचा है। यह समझने में मेरी सहायता करें कि मैं आपकी योजना में अपनी कल्पना से बढ़कर हूँ। मैं आपका और आपकी योजना का अनुसरण करना चाहता हूँ। क्योंकि आपकी मंजिल सर्वोत्तम है।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 16:9 मनुष्य मन में अपने मार्ग पर विचार करता है, परन्तु यहोवा ही उसके पैरों को स्थिर करता है।

यषायाह 46:10 मै तो अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताता आया हूं जो अब तक नहीं हुई। मैं कहता हूं, मेरी युक्ति स्थिर रहेगी और मैं अपनी इच्छा को पूरी करूंगा।

सभोपदेषक 3:11 उस ने सब कुछ ऐसा बनाया कि अपने अपने समय पर वे सुन्दर होते है; फिर उस ने मनुष्यों के मन में अनादि–अनन्त काल का ज्ञान उत्पन्न किया है, तौभी जो काम परमेश्वर ने किया है, वह आदि से अन्त तक मनुष्य बूझ नहीं सकता।

परमेश्वर की सेना का उद्देष्य वह सब सुरक्षित रखना नहीं हैं जहां परमेष्वर जा चुका है और जो कुछ परमेष्वर कर चुका है, बल्कि वह वहां जाना जहां परमेष्वर जाना चाहता है और वह सब पूरा करना जो कुछ परमेष्वर करना चाहता है

जो लोग उसकी सेना का अंग होने के लिए बुलाए गए हैं उन्हें समझना चाहिए कि हमें इस सुसमाचार का *प्रचार* और *प्रसार* तब तक करना है जब तक कि पूरा संसार इसे सुन न ले। हम उन कामों से संतुष्ट नहीं हो सकते जिन्हें परमेष्वर पूरा कर चुका है बल्कि उन कामों को पूरा करने का भरपूर प्रयास करना चाहिए जिन्हें वह पूरा करना चाहता है। कलीसिया, अर्थात् परमेष्वर की सेना रेफ्रिजरेटर नहीं बल्कि इन्क्युबेटर हैं।

प्रतिदिन पापी इस पृथ्वी पर जन्म लेते और कई पीढ़ियां सुसमाचार सुनने और यीषु को अपना प्रभु बनाने का अवसर प्राप्त किए दिना इस पृथ्वी से चली गईं हैं। केवल इतना काफी नहीं है कि एक पीढ़ी ने सुसमाचार सुन लिया है ... प्रत्येक पीढ़ी को सुनना आवष्यक है। इसीलिय अवष्य है कि समय रहते हम परमेष्वर की इच्छा को पहले से अधिक सतर्कता और दृढ़ता के साथ पूरा करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे जीवनभर आपके खेतों में कार्य करने का अनुग्रह और क्षमता मुझे दें। महान आदेष का तब तक, जब तक कि पूरा संसार न सुन ले, पालन करने का महत्त्व दूसरों को सिखाने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

edit copy

यहोषू 1:2 मेरा दास मूसा मर गया है; सो अब तू उठ, कमर बान्ध, और इस सारी प्रजा समेत यरदन पार होकर उस देश को जा जिसे मैं उनको अर्थात् इस्राएलियों को देता हूं।

फिलिप्पियों 3:13 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं।

आप अपने जीवन में जो चयन करते हैं, एक दिन वे आपकी गवाही बन जाएंगे

आपकी जीवनगाथा एक पुस्तक के समान है जिसे आप निरंतर, पन्ना दर पन्ना करके, अपने चयनों और कामों के द्वारा लिख रहे हैं। वास्तव में आपके विचार भी अनन्तता में पुर्नावलोकन के लिए दर्ज हो रहे हैं। यीषु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार कर लेने के द्वारा हम अपना अनन्त जीवन सुरक्षित कर लेते हैं। हमारा उद्धार केवल प्रभु यीषु के लहू के द्वारा और केवल उसी के लहू के द्वारा ही हुआ है।

तथापि, उद्धार के अलावा, प्रत्येक व्यक्ति को, इस जीवन में लिए गए निर्णयों और किए गए कामों के आधार पर अनन्त प्रतिफल भी मिलेगा। हम किसी भी समय एक अध्याय को समाप्त करके नई कहानी लिख सकते हैं जो एक दिन हमारी गवाही के रूप में सबको बताई जाएगी। दाऊद ने ऐसा किया; पतरस ने ऐसा किया; जक्कई ने ऐसा किया; रूत ने ऐसा किया; राहाब ने ऐसा किया; पौलुस ने ऐसा किया ... और आप भी ऐसा ही कर सकते हैं!

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आज जो निर्णय लेता हूँ, वे मेरे भविष्य को प्रभावित करेंगे। जबकि अनन्तता को प्रभावित करने के लिए मेरा छोटा सा जीवनकाल ही मेरा एकमात्र अवसर है, तो कृपया बुद्धिमानी से चयन करने में मेरी सहायता करें। अपने जीवन की प्राथमिकताएं बनाते समय अपने दृष्टिकोण को परमेष्वर के राज्य के अनुसार बनाए रखने में मेरी सहायता करें। आपके अनुग्रह से में आज ही आरम्भ करता हूँ।

आज के लिए वचन

प्रकाषितवाक्य 20:12 फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के साम्हने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गई; और फिर एक और पुस्तक खोली गई; अर्थात् जीवन की पुस्तक; और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उन के कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया।

2 कुरिन्थियों 5:10 क्योंकि अवश्य है, कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के साम्हने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो उस ने देह के द्वारा किए हों पाए।

जीवन एक खुले द्वार से बढ़कर है

जीवन मे बहुत सारे अवसर आते हैं और बहुत सारी दिषाएं लाते हैं जिन्हें हम आसानी से चुन सकते हैं। तथापि, यदि हमें किसी दूसरे शहर में नौकरी करने या कोई नई वस्तु खरीदने का अवसर मिल रहा है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि यह परमेष्वर की इच्छा है। और न ही परमेष्वर की इच्छा यह है कि हम उस प्रत्येक द्वार में प्रवेष करें जो खुला है और निमंत्रण दे रहा है। जीवन एक खुले द्वार से बढ़कर है।

हमारे निर्णय अगुवेपन पर आधारित होने चाहिएं जो परमेष्वर के वचन, परमेष्वर के आत्मा और उन मित्रों, परिवार वालों या अन्य लोगों के परामर्ष के साथ सहमत होते हों जिन्हें परमेष्वर ने हमारे जीवन मे रखा है। निष्चित कर लें कि आप अपने जीवन में आने वाले प्रत्येक खुले द्वार को परमेष्वर की आलौकिक इच्छा न समझ लें।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रिय परमेष्वर, मुझे अपना वचन जानना, आपके आत्मा के चलाए चलना और ईष्वरीय परामर्ष स्वीकार करना सिखाएं ताकि मैं अपनी नहीं बल्कि आपकी इच्छा पूरी करूँ। यीषु के नाम में, आमीन।

आज के लिए वचन
फिलिप्पियों 4:7 तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी।।

कुलुस्सियों 3:15 और मसीह की शान्ति जिस के लिये तुम एक देह होकर बुलाए भी गए हो, तुम्हारे हृदय में राज्य करे, और तुम धन्यवादी बने रहो।

रोमियों 8:14 इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।

फर्क इससे नहीं पड़ता कि आपके पास क्या है...फर्क इससे पड़ता कि आपके पास जो है उसके साथ आप क्या करते हैं

मैंने अक्सर ऐसा सुना है कि लोग इस बात की परवाह नहीं करते कि आप क्या जानते हैं जब तक कि वे यह नहीं जान लेते कि आप उनकी परवाह करते हैं। तब भी ऐसा ही होता है जब लोग देखते हैं कि आपके पास क्या है। आपके पास जो कुछ है जब तक आप उसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए नहीं करते, तब तक उससे आपको छोड़ किसी और को कोई लाभ नहीं पहुंचेगा।

परमेष्वर ने अब्राहाम से कहा कि वह उसे आषीष देगा और उसे आषीष बनाएगा। यदि परमेष्वर अब्राहाम को स्वीकार करके आषीष देता और अब्राहाम उस आषीष को केवल अपने पास ही रख लेता तो इसका कोई मूल्य नहीं रह जाता। बल्कि उसने अपने एकलौते पुत्र इसहाक को विष्वास के कार्य के रूप में परमेष्वर को अर्पित कर दिया, यह दर्षाते हुए कि एक दिन परमेष्वर अपने पुत्र यीषु के साथ क्या करेगा। अब्राहाम ने परमेष्वर कि दिए हुए वरदान के साथ जो किया और हम परमेष्वर के दिए हुए वरदानों के साथ जो करते हैं, फर्क उसी से पड़ता है।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, उस लड़के के समान जिसके पास मछली और रोटी थी, मैं भी अपना सबकुछ आपको अर्पित करके फर्क लाना चाहता हूँ। मेरी सहायता करें कि मैं स्वार्थी न बनूँ और आपकी दी हुई आषीषों से दूसरों को आषीष दूँ।

आज के लिए वचन
उत्पत्ति 22:14 और इब्राहीम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखाः इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है, कि यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जाएगा।

यूहन्ना 6:11 तब यीशु ने रोटियां लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बांट दीः और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बांट दिया।

परमेष्वर के पास एक योजना है और वह उसमें सफल होगा और उसमें सहभागी होने का अवसर आपके पास है

एक बार फिर, बाइबल हमें बताती है कि परमेष्वर आदि से अंत तक सबकुछ जानता है। वह अल्फा और ओमेगा, पहला और अंतिम, हमारे विष्वास का कर्त्ता और सिद्ध करने वाला है। परमेष्वर, जो बीती सब बातें, वर्तमान सब बातें और आने वाली सब बातें जानता है, केवल वही सब प्राणियों को चला सकता है, हालात संभालता है, परिस्थितियां तैयार करता है और स्वप्न पूरे करता है, ऐसा सब करके वह अपनी इच्छा पूरी करता है।

edit copy

बाइबल के एक भी प्राचीन व्यक्ति, या आज जी रहे किसी भी व्यक्ति को अपने भविष्य या अंतिम परिणाम के बारे में डरने की आवष्यकता नहीं है, यदि केवल वे अपना विष्वास परमेष्वर और उसके पुत्र यीषु, मसीहा में रखें। परमेष्वर के पास एक योजना है। वह सफल होगा और उसमें सहभागी होने का अवसर आपके पास है।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे प्रेम करने के लिए आपका धन्यवाद! मुझे अनन्त जीवन देने में आपने किसी भी वस्तु को अड़चन नहीं बनने दिया और इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ! कृपया मेरी सहायता करें कि मैं दूसरों तक अनन्त जीवन पहुंचाने में अड़चन न बनूँ। मैं वही चाहता हूँ जो आप चाहते हैं – कि सब लोग आपको जान लें। कृपया मुझे दिखाएं कि आप मेरे जीवन में कठिन समयों को भी दूसरों को अपने समीप लाने के लिए कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं।

आज के लिए वचन
भजन 46:10 चुप हो जाओ, और जान लो, कि मैं ही परमेश्वर हूं। मैं जातियों में महान् हूं, मैं पृथ्वी भर में महान् हूं!

1 कुरिन्थियों 15:57 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

2 कुरिन्थियों 2:14 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हम को जय के उत्सव में लिये फिरता है, और अपने ज्ञान का सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।

रूपयों की समस्या यह है कि वे एक ही बार खर्च होते हैं

परमेष्वर का वचन हमारे व्यक्तिगत धन के बारे में हमें बताता है। वास्तव में, प्रभु यीषु ने स्वर्ग और नरक की तुलना में धन के विषय में अधिक बात की। परमेष्वर की योजना है कि आपके पास सब वस्तुएं हों। तथापि, वह नहीं चाहता कि वस्तुएं आप पर हावी हो जाएं। जब परमेष्वर हमें आषीषें देता है तो हम उन आषीषों के भण्डारी बन जाते हैं और इस प्रकार हमसे आषा की जाती है कि हम अपने धन का प्रबंध ईष्वरीय बुद्धि और बाइबलीय सिद्धांतों के अनुसार करें।

बहुत बार आप जो खरीदना चाहते हैं और नहीं खरीद पाते, उसका कारण यह होता है कि आप वह खरीद चुके हैं जो आप खरीदना चाहते थे। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि हम अपने धन का प्रबंध परमेष्वर के उद्देष्यों को ध्यान में रखते हुए करें और इसे केवल स्वयं पर ही खर्च न करें। रूपयों की समस्या यह है, चाहे यह हमें परमेष्वर से ही क्यो न मिले हों, ये एक ही बार खर्च होते हैं। अपना धन बुद्धिमानी से खर्च करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरी सारी आवष्यकताओं की पूर्ति के लिए आपका धन्यवाद! मैं जानता हूँ कि जो कुछ मेरे पास है, वह सब आपका ही है। कृपया मुझे दर्षाएं कि अपना धन खर्च करते समय मैं कौन कौन से समझदारी भरे चयन कर सकता हूँ। मैं जानता हूँ कि आप मेरी देखभाल करेंगे और मेरे आज्ञापालन के कारण मुझे आषीष देंगे। जो कुछ मैं आपको देता हूँ उसे स्वीकार करें और अनन्त भिन्नता लाने के लिए उसे उपयोग करें।

आज के लिए वचन
मत्ती 6:19–20 अपने लिये पृथ्वी पर धन इकट्ठा न करो; जहां कीड़ा और काई बिगाड़ते हैं, और जहां चोर सेंध लगाते और चुराते हैं। परन्तु अपने लिये स्वर्ग में धन इकट्ठा करो.....

edit copy

इफिसियों 5:15–16 इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों की नाईं नहीं पर बुद्धिमानों की नाईं चलो। और अवसर को बहुमोल समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं।

क्या यह सम्भव है कि आप अभी जहां हैं वहां आपको परमेष्वर ने इसलिए रखा है कि आपकी सोच से कहीं बड़े उद्देष्य को पूरा करे?

एस्तेर डरी हुई थी और उसका डर उचित भी था। वह सचमुच झोंपड़ी से निकलकर महल में पहुंच गई थी, क्योंकि परमेष्वर का अनुग्रह उस पर था। एस्तेर परदेस में कैदी थी, और जब यह आदेष जारी हुआ कि राजा एक नई रानी की तलाष में है तो एस्तेर को भी उम्मीद्वार के रूप में चुना गया। अंततः उसे नई रानी बनने के लिए चुन लिया गया। कितना बड़ा सपना सच हुआ! ऐसा लगता था कि यही उसकी मंज़िल है। तब जब सबकुछ अच्छा चल रहा था, तभी विनाष आ पड़ा। उसकी सारी जाति का संहार करने का आदेष जारी कर दिया गया, और केवल राजा ही इसे रोक सकता था। उसकी रानी होने के नाते वह उसकी मदद मांग सकती थी। परन्तु उस देष का कानून यह था कि यदि वह बिना बुलाए राजा के सामने आ जाती तो उसकी मृत्यु निष्चित थी, जब तक कि राजा अपनी कृपादृष्टि उस पर न करता।

एस्तेर डरी हुई थी, और न जानती थी कि क्या करे। उसने अपने चचेरे भाई से सलाह मांगी। वह जानता था कि परमेष्वर के पास उसके लोगों के लिए एक योजना थी, और रानी के रूप में एस्तेर की नई भूमिका भी परमेष्वर की ओर से ही था। उसने एस्तेर से कहा कि (रानी के रूप में) उसकी यह मंज़िल परमेष्वर की योजना में हिस्सा लेने के लिए उसका अवसर थी। क्या आपने अपने जीवन में अपनी भूमिका पर कभी प्रष्न उठाया है? क्या सम्भव है कि आप अभी जहां हैं वहां परमेष्वर ने आपको इसलिए रखा है कि आप सोच से कहीं बड़े उद्देष्य को पूरा करे? उससे पूछें कि किस प्रकार आपकी मंज़िल उसकी योजना में आपकी हिस्सेदारी के लिए अवसर है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं जानता हूँ कि आपके पास एक योजना है – न केवल सारे संसार के लिए, बल्कि मेरे लिए भी। कृपया मेरी भूमिका मुझे दिखाएं, और उसे पूरा करने का साहस भी मुझे दें। आपके मार्ग सिद्ध हैं – इतना महान पिता होने के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

एस्तेर 4:14 क्योंकि जो तू इस समय चुपचाप रहे, तो और किसी न किसी उपाय से यहूदियों का छुटकारा और उद्धार हो जाएगा, परन्तु तू अपने पिता के घराने समेत नाश होगी। फिर क्या जाने तुझे ऐसे ही कठिन समय के लिये राजपद मिल गया हो?

जब हम जानते कि परमेष्वर कौन है, तो क्या का महत्त्व घट जाता है

पूरी बाइबल में परमेष्वर ने कई लोगों को ऐसे ऐसे काम करने को कहा, जो उस क्षण मूर्खतापूर्ण प्रतीत हो रहे थे। उदाहरणार्थ, नामान कोढ़ी को यरदन नदी में सात बार डुबकी लगाने को कहा गया था; यहेजकेल को अपना सिर मुंड़वाने को कहा गया था; विधवा को अपना बेटा भेजकर पड़ोसियों से खाली बर्तन उधार मांगने को कहा गया था; यीषु ने अपने थूक से मिट्टी सानकर अंधे की आंखों पर लगाई और उसे जाकर धोने को कहा; पौलुस और सीलास आधी रात के समय बंदीगृह में गाने लग पड़े.....ये सब बातें मूर्खतापूर्ण प्रतीत होती हैं परन्तु फिर भी ये बातें उनके जीवन के लिए परमेष्वर की योजना का हिस्सा थीं।

जब हम जानते हैं कि परमेष्वर कौन है, तो क्या का महत्त्व घट जाता है। परमेष्वर को पार्थिव बुद्धि, मानवीय तर्क, या अपनी स्वयं की समझ के द्वारा सीमित न करें। परमेष्वर को परमेष्वर ही रहने दें।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रभु, कुछ बाते ऐसी हैं जिन्हें मैं समझ नहीं सकता और कभी कभी यह भी नहीं समझ पाता कि जो मैं बोलता हूँ वह आप मुझसे क्यों बुलवाते हैं और जो मैं करता हूँ वह आप मुझसे क्यों करवाते हैं, तथापि मैं आपका आज्ञापलन करने और आपका अनुसरण करने का वायदा करता हूँ।

आज के लिए वचन
भजन 78:41 वे बारबार ईश्वर की परीक्षा करते थे, और इस्राएल के पवित्र को खेदित करते थे।

मत्ती 13:58 और उस ने वहां उन के अविश्वास के कारण बहुत सामर्थ के काम नहीं किए।।

1 पतरस 5:7 और अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उस को तुम्हारा ध्यान है।

योजना के बिना उद्देष्य का कोई लाभ नहीं है

स्वप्न और दर्षन परमेष्वर के आत्मा की भाषा हैं और इनके द्वारा परमेष्वर उनके वर्तमान हालातों से परे सामर्थ देकर उन्हें प्रेरणा देता है। तथापि, आपके जीवन के लिए परमेष्वर के उद्देष्य पूरे करने के लिए उसकी प्रेरणा ही पर्याप्त नहीं है। सफल होने के लिए, हमें उद्यम के साथ न केवल यह जानना है कि परमेष्वर हमारे द्वारा क्या करवाना चाहता है बल्कि आरम्भ करने से पहले यह जानने का उद्यम भी करना है कि वह हमारे द्वारा अपनी इच्छा कैसे पूरी करवाना चाहता है।

नूह ने सुना कि परमेष्वर ने उसे एक नाव बनाने के लिए कहा है। तथापि, नाव बनाने के लिए परमेष्वर के निर्देषों के बिना, और नूह के एक सौ वर्ष के कड़े परिश्रम के बिना, नाव कभी अस्तित्व में नहीं आती। परमेष्वर ने मूसा से तम्बू बनाने को कहा और उसे इस कार्य के प्रत्येक कदम के लिए विस्तृत निर्देष दिए। उसके बाद मूसा और इस्त्राएलियों को परमेष्वर की इस योजना को पूरा करने में कई महीने लग गए। परमेष्वर की इच्छा को जानने और परमेष्वर की योजना प्राप्त करने का उद्यम करें। तब उसे पूरा होता देखने के लिए कार्य करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेष्वर, मैं अपने जीवन के लिए आपके उद्देष्य को पूरा करना चाहता हूँ। मुझे अपनी योजना दें और कार्य करने तथा आपकी इच्छा को पूरा होते देखने का बल दें।

आज के लिए वचन
नीतिवचन 21:5 कामकाजी की कल्पनाओं से केवल लाभ होता है, परन्तु उतावली करनेवाले को केवल घटती होती है।

नीतिवचन 13:4 आलसी का प्राण लालसा तो करता है, और उसको कुछ नहीं मिलता, परन्तु कामकाजी हष्ट पुष्ट हो जाते हैं।

मत्ती 9:38 इसलिये खेत के स्वामी से बिनती करो कि वह अपने खेत काटने के लिये मजदूर भेज दे।

जब हम राजा बनने के लिए चुने गए हैं तो कप्तान बन कर संतुष्ट क्यों हो जाएं

दाऊद के जीवन में एक समय ऐसा था जब वह इस्त्राएल की सेनाओं का कप्तान था। वह अपनी इस भूमिका में बहुत सफल रहा, इतना सफल कि उसकी प्रषंसा में विजयगीत लिखे गए कि उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता था। दाऊद के चारों ओर उसके विष्वासयोग्य लोग रहते थे, जो बिना प्रष्न किए उसका अनुसरण करते थे और उसके प्रत्येक निर्णय का साथ देते थे। दाऊद कल्पना कर सकता था कि वह अपने जीवन के सबसे महानतम दिनों में है, सफलता का आनन्द उठा रहा है और इसी प्रसिद्धी में रिटायर होने की प्रतिक्षा कर रहा है। तथापि, परमेष्वर ने उसे इससे बड़े कार्य के लिए बुलाया था।

edit copy

मंज़िल मांग करती है कि हम पिछली बातों को भूल जाएं और आने वाली बातों की ओर बढ़ते जाएं, ताकि हम प्रभु यीषु मसीह के द्वारा परमेष्वर की सर्वोच्च बुलाहट को पूरा कर सकें। शायद आप इस समय सफलता के किसी एक स्तर पर हैं और परमेष्वर आपको इससे भी बड़े कार्य करने के लिए बुला रहा है। विष्वास का कदम उठाने के लिए आपको एक कीमत चुकानी पड़ सकती है, परन्तु यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको क्या कीमत चुकानी पड़ेगी?

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय परमेष्वर, मेरी सहायता करें कि मैं आपके लिए अपनी सबसे बड़ी भेंट से कम पर संतोष न करूँ। मुझ पर अनुग्रह करें कि मैं अपनी सर्वोच्च बुलाहट को प्राप्त कर सकूँ और आपके राज्य की सेवा में अपनी सर्वोत्तम क्षमता का अनुभव कर सकूँ।

आज के लिए वचन
फिलिप्पियों 3:13–14 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ। निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

2 तीमुथियुस 4:7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है।

जो पीढ़ी यीशु की वापसी को देखेगी वह ऐसी कलीसिया होगी जिसने उसकी वापसी की तैयारी की होगी
मसीह के समय से ही मसीही लोग उसकी वापसी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पिछले 2000 वर्षों से विष्वासियों की प्रत्येक पीढ़ी यही आषा लगाए बैठी है कि यीषु उनके जीवनकाल में ही आएगा। यीषु क्या आषा लगाए बैठा है? वह आषा लगाए बैठा है कि प्रत्येक पीढ़ी सब जातियों के लोगों को चेला बनाने और संसार की सभी जातियों में उसके सुसमाचार का प्रचार करने के द्वारा उसके राज्य का प्रसार करेंगी।

आपकी पीढ़ी के पास एक काम है और अभी भी वह काम अधूरा है। यीषु तब तक नहीं आएगा जब तक कि यह काम पूरा न हो जाए। जो पीढ़ी यीषु की वापसी को देखेगी वह ऐसी कलीसिया होगी जिसने उसकी वापसी की तैयारी की होगी। आज आप क्या कर सकते हैं?

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, हमारी पीढ़ी में मसीह का सुसमाचार प्रचार करने का जुनून भर दें। हममें तत्परता की भावना डालें और ससुसमाचार प्रचार के अवसरों से न चूकने में हमारी सहायता करें।

आज के लिए वचन
मत्ती 28:19 इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से बपतिस्मा दो।

प्रकाषितवाक्य 21:2 फिर मैं ने पवित्र नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग पर से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, और वह उस दुल्हिन के समान थी, जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो।

प्रकाषितवाक्य 22:20 हां मैं शीघ्र आनेवाला हूं। आमीन। हे प्रभु यीशु आ।

हो सकता है कि कुछ प्राप्त करने के लिए साहस या उत्साह की आवष्यकता पड़े, परन्तु उसे अपना बनाए रखने के लिए निष्चित तौर पर चरित्र की आवष्यकता पड़ती है

edit copy

आप जिस किसी काम पर अपना मन लगा लें उसे आप पूरा कर सकते हैं। आपका लक्ष्य चाहे कुछ भी हो, यदि उन्हें प्राप्त करने का पर्याप्त साहस आपके पास है तो उन्हें प्राप्त किया जा सकता है। बहुत लोग अपने जीवन में अपने लक्ष्यों के पास पहुंचते पहुंचते अपनी प्राथमिकताएं बिगाड़ बैठते हैं; वे ऐसी बातों के कारण अपना ध्यान भटका बैठते हैं जो महत्त्वपूर्ण नहीं हैं; कभी कभी तो वे अपना खराई और नैतिकता को भी खो बैठते हैं।

राजा शाऊल ने अपने जीवन में ऐसा होते हुए देखा। उसका राज्य ज्यादा इसलिए नहीं चल क्योंकि वह परमेष्वर की आज्ञाओं के प्रति विष्वासयोग्य और आज्ञाकारी रहने में असफल हो गया था। आप अपने जीवन में चाहे कोई भी लक्ष्य प्राप्त करना चाह रहे हैं – याद रखें कि इसे प्राप्त करने के लिए केवल साहस या उस्ताह ही पर्याप्त होगा, परन्तु उसे अपना बनाए रखने के लिए निष्चित तौर पर चरित्र की आवष्यकता पड़ेगी। आज परमेष्वर को आपके चरित्र की जांच करने दें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मैं आपके चरित्र को अपने जीवन में प्रत्यक्ष देखना चाहता हूँ। छोटी से छोटी बातों में भी विष्वासयोग्य बने रहने में मेरी सहायता करें; और अपने उद्देष्यों की प्राप्ति करते समय, मुझे दीन और आज्ञाकारी बने रहने में मेरी सहायता करें। कृपया मेरे जीवन के वे क्षेत्र मुझे दर्षाएं जहां मुझे सुधार की आवष्यकता है। हे पिता, आपकी दया और अनुग्रह के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

1 शमूएल 13:13–14 शमूएल ने शाऊल से कहा, तू ने मूर्खता का काम किया है; तू ने अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा को नहीं माना; नहीं तो यहोवा तेरा राज्य इस्त्राएलियों के ऊपर सदा स्थिर रखता। परन्तु अब तेरा राज्य बना न रहेगा; यहोवा ने अपने लिये एक ऐसे पुरूष को ढूंढ़ लिया है जो उसके मन के अनुसार है; और यहोवा ने उसी को अपनी प्रजा पर प्रधान होने को ठहराया है, क्योंकि तू ने यहोवा की आज्ञा को नहीं माना।

1 शमूएल 15:26 शमूएल ने शाऊल से कहा, मैं तेरे साथ न लौटूंगा; क्योंकि तू ने यहोवा की बात को तुच्छ जाना है, और यहोवा ने तुझे इस्त्राएल का राजा होने के लिये तुच्छ जाना है।

गरीबी जीवन के हालात नहीं बल्कि मन की अवस्था है

गरीबी की मानसिकता में जीवन बिताने से आप अपना सबकुछ खो बैठेंगे; आपका आनन्द, आपकी शान्ति, आपकी भलाई और आपका अनन्त प्रतिफल। गरीबी की मानसिकता स्वार्थ, आलस्य या विष्वास की कमी की जड़ से पनप सकती है। ये पारिवारिक श्रापों से भी आ सकती है जो हमारे परिवार, हमारी संस्कृति या जीवन की परिस्थितियों से हम पर आ सकते हैं। तथापि, परमेष्वर की मानसिकता गरीबी की मानसिकता नहीं है।

यदि स्वर्ग का वर्णन किया जाए तो उनमें कुछ इस प्रकार हैं, सोने की सड़कें, मोतियों के फाटक और अनमोल पत्थरों के आभूषण। परमेष्वर की संतानों के लिए उसकी इच्छा यह है कि उनकी मानसिकता भरपूरी के जीवन की हो, वे अपने स्वर्गिक पिता पर भरोसा रखें कि वह उनकी सभी आवष्यकताओं को उनकी आवष्यकता के अनुसार नहीं बल्कि अपने महिमा के धन के अनुसार पूरा करेगा। किसी भी व्यक्ति का धन की सीमा उसकी वस्तुओं कर गिनती के आधार पर नहीं होती। गरीबी की आत्मा को तोड़ डालें और आपके जीवन में परमेष्वर की योजना में भागीदार बनना आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे पिता, मुझे अपने आप को वैसा देखने में सहायता करें जैसा आप मुझे देखते हैं और वैसा बनने में सहायता करें जैसा आप चाहते हैं। मेरे जीवन में से गरीबी की आत्मा के बंधन तोड़ डालें और यीषु के नाम में मुझे आज़ाद कर दें!

आज के लिए वचन
लूका 12:15 और उस ने उन से कहा, चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखोः क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।

नीतिवचन 10:15 धनी का धन उसका दृढ़ नगर है, परन्तु कंगाल लोग निर्धन होने के कारण विनाश होते हैं।

नीतिवचन 20:13 नींद से प्रीति न रख, नहीं तो दरिद्र हो जाएगा; आंखें खोल तब तू रोटी से तृप्त होगा।

गरीबी मन की अवस्था है; गरीब होना जीवन के हालात हैं...परन्तु दोनों में बदलाव सम्भव है

मैं ऐसे लोगों को जानता हूँ और ऐसे लोगों के बारे में पुस्तकें भी लिखी गई हैं, जिनके पास बहुत कुछ होते हुए भी कुछ भी नहीं होता। उनका लालची और डरपोक स्वभाव उन्हें कंजूसी का गुलाम बनाए रखता है, वे ज्यादा से ज्यादा धन इकट्ठा करते हैं, परन्तु उसका कभी आनन्द नहीं उठा पाते और न ही किसी लाभ के लिए उसे उपयोग कर पाते हैं। इतना धन इकट्ठा कर लेने के बाद, ये लोग धनी होते हुए भी गरीबी में मर जाते हैं। ध्यान दें, कि गरीबी मन की अवस्था है।

मैं ऐसे लोगों को भी जानता हूँ जो गरीब थे और इस संसार की बहुत थोड़ी वस्तुएं ही उनके पास थीं। परन्तु इनमें से कुछ गरीबों के पास वह बहुत कुछ था जिसे पैसे से नहीं खरीदा जा सकता। प्रेम, आनन्द, शांति, धीरज आत्मा के फल हैं, धन के फल नहीं हैं। तथापि, न तो गरीबी में जीवन बिताने वालों और न ही गरीबों की मंज़िल वह है जहां वे आज हैं। बदलाव सारी मानवजाति के लिए उपलब्ध है और आपके जीवन में बदलाव आज ही आरम्भ हो सकता है। आपके पास जो कुछ है उसके लिए परमेष्वर पर भरोसा रखें और वह आपको बहुत कुछ देगा। अपनी भावी फसल के लिए बीज बोने के द्वारा आज ही आरम्भ करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरे पास जो कुछ है उसके लिए मैं आप पर भरोसा रखता हूँ। आपके वचन का अध्ययन करने और समृद्धि के लिए आपका मार्ग ढूँढने में मेरी सहायता करें और साथ साथ दूसरों की सहायता करने के लिए मुझे बुद्धि दें।

आज के लिए वचन
याकूब 2:5 हे मेरे प्रिय भाइयों सुनो; क्या परमेश्वर ने इस जगत के कंगालों को नहीं चुना कि विश्वास में धर्मी, और उस राज्य के अधिकारी हों, जिस की प्रतिज्ञा उस ने उन से की है जो उस से प्रेम रखते हैं?

लूका 19:8 जक्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा; हे प्रभु, देख मैं अपनी आधी सम्पत्ति कंगालों को देता हूं, और यदि किसी का कुछ भी अन्याय करके ले लिया है तो उसे चौगुना फेर देता हूं।

नीतिवचन 19:17 जो कंगाल पर अनुग्रह करता है, वह यहोवा को उधार देता है, और वह अपने इस काम का प्रतिफल पाएगा।

अपने शत्रुओं को ढूँढने निकलना बहादुरी का काम है। तथापि, उन्हें ढूँढ लेने पर आपको साहस की आवष्यकता होती है।

edit copy

आपने दाऊद और गोलियत की कहानी निष्चय ही बहुत बार सुनी होगी। एक नौजवान चरवाहे ने फैसला किया कि वह उस दानव का सामना करने के लिए खड़ा होगा जो इस्त्राएल की सेना को ललकार रहा था। जब दाऊद गोलियत से लड़ने के लिए सामने आया तो किसी को विष्वास नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगा। बहुत सारे बहादुर लोग पलिष्ती शत्रुओं का पीछा करते यहां तक तो आ गए थे परन्तु जब लड़ने की बार आती तो किसी को साहस नहीं होता था।

साहस का अर्थ यह नहीं है कि आप डरते नहीं है, बल्कि साहस वह होता है जो बहादुर लोग डर के समय करते हैं। दाऊद की बहादुरी केवल बातों से कहीं बढ़कर थी। उस दानव के सामने दाऊद ने अपने विष्वास की घोषणा की और युद्ध में विजयी हुआ। जो आप में है वह उस से बड़ा है जो इस संसार है। अपने शत्रुओं को आप पर हावी ने होने दें अन्यथा वे आपको हरा देंगे। साहसी बनें और विष्वास के साथ उनका सामना करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, आपका धन्यवाद, क्योंकि आपका वचन कहता है कि आप न तो मुझे कभी छोड़ेंगे और न ही कभी त्यागेंगे। आप हमें कहते हैं कि हम न डरें; आपके वचन का आज्ञापालन करनें में मेरी सहायता करें, मुझे साहस और इस विष्वास से भरें कि आप मुझे कभी शर्मिंदा नहीं होने देंगे। मेरी चट्टान और मेरा दृढ़ गढ़ बनने के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

भजन 121:1 मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा। मुझे सहायता कहां से मिलेगी?

यषायाह 12:2 परमेश्वर मेरा उद्धार है, मैं भरोसा रखूंगा और न थरथराऊंगा; क्योंकि प्रभु यहोवा मेरा बल और मेरे भजन का विषय है, और वह मेरा उद्धारकर्ता हो गया है।

रोमियों 8:31 ...यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है?

रोमियों 8:37 ... हम उसके द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

सही समय अति महत्त्वपूर्ण है और सही समय अक्सर उन बातों के द्वारा निर्धारित किया जाता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर हैं

मसीही अनुभव का वर्णन करने के लिए प्रभु यीषु ने कृषि का बहुत उपयोग किया। उन्होंने बीज बोने, फल लाने, और फसल काटने के बारे में अक्सर बात की। बीज बोने बौर उन्हें बढ़ते हुए देखने में एक भेद छिपा है। फसल लाने के लिए बीज बाने का समय, पानी और धूप का संतुलन एकदम सही होना चाहिए। हम निरंतर काम कर सकते हैं, हमारे पास सही औज़ार भी हो सकते हैं, और हमें यह भी पता हो सकता है कि हम किस फल की प्रतीक्षा कर रहे हैं, परन्तु बीज में फल लगने का चमत्कार पूरी तरह हमारे नियंत्रण से बाहर है।

सही समय अति महत्त्वपूर्ण है और सही समय अक्सर उन बातों के द्वारा निर्धारित किया जाता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। किसान यह नहीं बता सकता और न ही यह उसके नियंत्रण में है कि सूर्य कब चमकेगा या वर्षा कब होगी, परन्तु निरंतर काम कर सकता है और फसल की कटनी के समय तैयार रह सकता है। याद रखें कि परमेष्वर के राज्य में कार्य करने के लिए आपको यह समझने की आवष्यकता नहीं है कि यह कैसे कार्य करता है।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रभु, बहुत सारी बातें ऐसी हैं जो मेरे नियंत्रण से बाहर हैं, परन्तु मैं अपने जीवन में होने वाली प्रत्येक घटना के लिए आपके सही समय पर भरोसा रखता हूँ। परिश्रम करने और अपनी जिम्मेदारियों में विष्वासयोग्य बने रहने में मेरी सहायता करें क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप बहुतायत से फसल देंगे।

आज के लिए वचन
मरकुस 4:26–29 फिर उस ने कहा; परमेश्वर का राज्य ऐसा है, जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छींटे। और रात को सोए, और दिन को जागे और वह बीज ऐसे उगे और बढ़े कि वह न जाने। पृथ्वी आप से आप फल लाती है पहिले अंकुर, तब बाल, और तब बालों में तैयार दाना। परन्तु जब दाना पक जाता है, तब वह तुरन्त हंसिया लगाता है, क्योंकि कटनी आ पहुंची है।।

2 तीमुथियुस 4:2 तू वचन को प्रचार कर; समय और असमय तैयार रह, सब प्रकार की सहनशीलता, और शिक्षा के साथ उलाहना दे, और डांट, और समझा।

1 पतरस 3:15 पर मसीह को प्रभु जानकर अपने अपने मन में पवित्र समझो, और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ।

नए भविष्य का जन्म पुराने अतीत का अन्त कर देगा

हमारे भविष्य की गुणवत्ता निष्चित तौर पर हमारी वर्तमान योजनाओं और निर्णयों पर आधारित है। कभी कभी हम अपनी कायलता के चलाए चलते हैं परन्तु हमारे मूल्य गलत होते हैं। प्रेरित पौलुस, जब शाऊल के नाम से प्रसिद्ध था, उस समय वह कलीसिया के लिए बहुत बड़ा खतरा था। दमिष्क के मार्ग पर उसकी मुलाकात परमेष्वर से हुई जिससे उसका जीवन बदल गया। कुछ ही दिनों में परमेष्वर ने उसे परमेष्वर और उसके लोगों के लिए भयंकर खतरे से बदलकर पवित्र आत्मा से भरपूर प्रचारक बना दिया। प्रेरितों के काम 9 अध्याय बताता है कि पौलुस तुरन्त ही प्रचार करने लग पड़ा कि जीवित परमेष्वर का पुत्र है।

नए भविष्य का जन्म पुराने अतीत का अन्त कर देगा। पौलुस का लक्ष्य मसीह को जानना, मसीह जैसा बनना और वह सब बनना था, जो मसीह उसे बनाना चाहता था। पौलुस ने कहा, "मैं एक काम करता हूँ कि जो बातें पीछे छूट गई हैं उन्हें भूलकर आगे की ओर बढ़ता जाता हूँ।" यह हम सब के लिए एक अच्छा आदर्ष है। अतीत में न फंसे रहें। बल्कि परमेष्वर के साथ अपने संबंध पर ध्यान लगाते हुए परमेष्वर के ज्ञान में बढ़ते जाएं। जान लें कि आपको क्षमा मिल चुकी है, और तब विष्वास और आज्ञापालन के जीवन की ओर आगे बढ़ जाएं। मसीह में आपकी आषा के कारण एक सार्थक जीवन की प्रतीक्षा करें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, आपके उद्धार के अनुग्रह के लिए आपका धन्यवाद। मसीह के लहू ने मुझे मेरे अतीत से आज़ाद कर दिया है। आज में समर्पण करता हूँ कि मैं आपको और अधिक जानूँगा, आपके जैसा बनूँगा और अपना जीवन आपकी इच्छानुसार जीऊँगा।

आज के लिए वचन
2 कुरिन्थियों 5:17 सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।

शायद ही कोई व्यक्ति उसके लिए मरे जिसके लिए वह जीने को तैयार नहीं है

यूहन्ना बपतिस्मादाता ने कहा कि वह तो पानी से बपतिस्मा देता है है परन्तु आने वाला मसीहा पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। लूका 24 में, यीषु ने अपने षिष्यों से कहा कि जब तक तुम स्वर्ग से सामर्थ न पाओ तब तक यरूषलेम में प्रतीक्षा करते रहो। प्रेरित 1:8 आगे बताता है कि जो व्यक्ति पवित्र आत्मा की

edit copy

यह सामर्थ पाएगा उसे गवाह बनने की योग्यता मिलेगी। प्रेरित 1:8 में गवाह शब्द का वास्तविक अर्थ शहीद है।

यहां शहीदी का तात्पर्य केवल मरना नहीं है बल्कि अपना जीवन बाकी सब उद्देष्यों से रहित केवल और केवल परमेष्वर की इच्छानुसार जीना भी है। वैसे ही जैसे प्रेरित पौलुस ने कहा, "मेरे लिए जीना मसीह और मरना लाभ है।" बहुत सारे मसीही लोग कल्पना करते हैं कि वे मसीह के लिए मरने को तैयार हैं। तथापि, शायद ही कोई व्यक्ति उसके लिए मरे जिसके लिए वह जीने को तैयार नहीं है।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं जीते जी अपना जीवन आपको सौंपता हूँ। मैं चयन करता हूँ कि मैं अपना जीवन केवल और केवल आपकी इच्छानुसार जीऊँगा और अपने जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में आपका गवाह बनूँगा। कृपया यीषु के नाम में मुझे अपना अनुग्रह दें।

आज के लिए वचन
गलातियों 2:20 मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित हैः और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

कुलुस्सियों 3:1–3 सो जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दहिनी ओर बैठा है। पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ। क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

यदि आपके संसार में ऐसा कोई भी नहीं है जिसके लिए आप अपना जीवन दे सकते हैं, तो दुख की बात यह है कि आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण आप स्वयं हैं

हम प्रत्येक वस्तु या व्यक्ति का कुछ न कुछ मूल्य अवष्य ठहराते हैं और जिसे हम कीमत से अधिक मूल्यवान समझते हैं उसे प्राप्त करने के लिए हम उसे खरीद लेते हैं। आदान–प्रदान का नियम इस बात को अनुचित ठहराता है कि हम जानबूझकर किसी वस्तु के मूल्य से अधिक कीमत अदा करें या किसी सस्ती वस्तु के लिए अपनी सबसे कीमती सम्पत्ति दे दें। परमेष्वर ने आपका जीवन बचाने के लिए अपना पुत्र दे दिया और वह सोचता है कि यह सबसे बढ़िया सौदा था!

पवित्रषास्त्र हमें बताता है कि यीषु ने अपना जीवन आपके लिए दे दिया ताकि आप अपना जीवन दूसरों के लिए दे दें। इससे बड़ा प्रेम और कोई नहीं है कि कोई व्यक्ति अपने मित्रों के लिए अपना जीवन बलिदान कर दे। यदि आपके संसार में ऐसा कोई भी नहीं है जिसके लिए आप अपना जीवन दे सकते हैं, तो दुख की बात यह है कि आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण आप स्वयं हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता इस संसार में जीने के लिए जो जीवन आपने मुझे दिया है, उसके लिए आपका धन्यवाद। मुझे बचाने के लिए और मेरे जीवन को मूल्य ठहराने के लिए आपका धन्यवाद। दूसरों के मूल्य को समझना मुझे सिखाएं, यदि मेरे दृष्टिकोण से नही तो आपके दृष्टिकोण से। मुझे दिखाएं कि मैं आपकी इच्छा पूरी करने के लिए प्रतिदिन अपना जीवन कैसे दे सकता हूँ।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 15:3 तुम तो उस वचन के कारण जो मैं ने तुम से कहा है, शुद्ध हो।

1 यूहन्ना 3:1 देखो पिता ने हम से कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं, और हम हैं भीः इस कारण संसार हमें नहीं जानता, क्योंकि उस ने उसे भी नहीं जाना।

महत्त्वपूर्ण यह नहीं है कि आप अपनी यात्रा कहां आरम्भ करते हैं, बल्कि यह कि आप इसका अंत कहां करते हैं

राहाब एक कनानी वेष्या थी जो अंत में यहूदा की राजकुमारी और बोअज़ की माता बनी। रूत एक मोआबी बांझ विधवा और भिखारिन थी, अंत में जिसका विवाह बोअज़ से हुआ और वह ओबेद की माता बनी। लिआ से कोई विवाह नहीं करना चाहता था और याकूब भी विवाह के बाद उससे प्रेम नहीं करता था, परन्तु अंत में वह यहूदा की माता बनी। इन महिलाओं और इनके जैसी अन्य महिलाओं के जीवन का आरम्भ अच्छा नहीं रहा और हालाँकि मार्ग में भी उन्होंने बहुत कठिनाईयों को सामना किया, परन्तु अंत में ये यीषु की पूर्वज ठहरीं।

महत्त्वपूर्ण यह नहीं है कि आप अपनी यात्रा कहां आरम्भ करते हैं, बल्कि यह कि आप इसका अंत कहां करते हैं। शायद आपके जीवन के इस क्षण आप वह सब अनुभव नहीं कर रहे हैं जिसकी अपने कल्पना की थी। षायद आपके नियंत्रण से बाहर के हालातों ने आपको ऐसे जीवन में बंदी बना दिया है जो आपकी कल्पना से कहीं कम है। निराष न हों, परमेष्वर ने आपको नहीं त्यागा है और उसके पास आपको सर्वोत्तम दिनों में ले जाने की योजना है। उस पर भरोसा रखें और उसे अपना मागदर्षक बनाएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय पिता, जीवन की प्रक्रिया को सहने के लिए बुद्धि और अनुग्रह दें, इस ज्ञान के साथ कि इनमें से गुज़रने के बाद में आपके ठहराए हुए भविष्य में प्रवेष करूँगा।

आज के लिए वचन

यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

2 कुरिन्थियों 4:17–18 क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

मेरी बात मानें, जब परमेष्वर कहता है कि आप गलत हैं, तो आप सचमुच गलत हैं!

ज्यादातर लोग जब सोचते हैं कि वे गलत हैं तो वे अपनी सोच बदल लेते हैं क्योंकि सबको सही होना पसंद हैं। हम अपने हालातों और परिस्थितियों के प्रकाष में अपनी सोच, अपनी चाहतों और अपने एहसासों को सही प्रमाणित करने का प्रयास करते हैं और जब हम सबकुछ अपने नज़रिए से देखते हैं तो हमें लगता है कि हम सही हैं। उदाहरणार्थ, यदि किसी ने आपको बहुत दुख पहुंचाया है, आपको धोखा दिया है, या आपकी बदनामी की है, तो आपको लग रहा होगा कि उन्हें क्षमा न करके आप ठीक कर रहे हैं। हालाँकि आप जानते हैं कि परमेष्वर का वचन आपसे कहता है कि हमें दूसरों को क्षमा करना है। परमेष्वर के वचन की अन्य आज्ञाओं के विषय में भी ऐसा ही हैः हमें समर्पित होने, आज्ञापालन करने, प्रेम करने और झूठ न बोलने और बहुत कुछ करने के लिए कहा गया है। चाहे आप कुछ भी महसूस करते हों या कारण कोई भी हो कि आप ऐसा क्यों महसूस करते हैं, सच यही है कि जब परमेष्वर कहता है कि आप गलत हैं तो आप गलत हैं....और परमेष्वर का आज्ञाउल्लंघन करना गलत है।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रभु, मैं अपने आप को आपके और आपकी दया के प्रति समर्पित करता हूँ। मेरे जीवन के वे क्षेत्र मुझ पर प्रकट करें जहां मैं आपकी दृष्टि में गलत हूँ। मैं अपने पापों का अंगीकार करता हूँ। उन्हें अपने लहू से धो ढालें और मेरे हाथों और मेरे हृदय को अपनी पवित्रता के द्वारा शुद्ध कर दें।

आज के लिए वचन
भजन 43:3–4 अपने प्रकाश और अपनी सच्चाई को भेज; वे मेरी अगुवाई करें, वे ही मुझ को तेरे पवित्र पर्वत पर और तेरे निवास स्थान में पहुंचाए! तब मैं परमेश्वर की वेदी के पास जाऊंगा, उस ईश्वर के पास जो मेरे अति आनन्द का कुण्ड है; और हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर मैं वीणा बजा बजाकर तेरा धन्यवाद करूंगा।

बुलाहट वह अवसर है जो परमेष्वर हमें देता है, जबकि अनुग्रह वह क्षमता है जो वह हमें उस अवसर को पकड़ने के लिए देता है

परमेष्वर ने मिस्त्र की गुलामी में पड़े हुए अपने लोगों की दोहाई को सुना और उनके छुटकारे के लिए एक योजना बनाई। अपने तरीके से और अपने सिद्ध समय में उसने मूसा को मिस्त्र की ओर भेजा और उससे कहा कि वह फिरौन से इस्त्राएलियों आज़ाद करने के लिए कहे। यह पूरी घटना चमत्कारों से भरी हुई है – दस आफतों से लेकर लाल समुद्र के विभाजन तक। परमेष्वर इस्त्राएलियों को फिरौन की गिरफ्त से एक झटके में आज़ाद कर सकता था, परन्तु उसने इस प्रक्रिया में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एक साधारण मनुष्य को इस्तेमाल किया। परमेष्वर के पास एक योजना थी; मूसा के पास उसमें सहभागी होने का अवसर था।

परन्तु आरम्भ में मूसा अनिष्चित और असुरक्षित था और परमेष्वर को उसे आष्वासन देना पड़ा कि इस काम को पूरा करने के लिए जो जो आवष्यक है, परमेष्वर उसका प्रयोजन करेगा। बुलाहट वह अवसर है जो परमेष्वर हमें देता है, जबकि अनुग्रह वह क्षमता है जो वह हमें उस अवसर को पकड़ने के लिए देता है। क्या परमेष्वर ने आपको भी कोई अवसर दिया है जिसके बारे में आप असुरक्षित महसूस कर रहे हैं? आप सुनिष्चित रह सकते हैं कि इस काम को पूरा करने के लिए आवष्यक अनुग्रह भी वह आपको अवष्य देगा!

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, हमें आपकी योजनाओं में षामिल करने के लिए आपका धन्यवाद। कृपया मुझे याद दिलाते रहें कि आप हमेषा मेरे साथ हैं और जब मैं विष्वासयोग्य रहता हूँ तो आप मुझे सफल होने के लिए आवष्यक सारी योग्यताएं देंगे। सचमुच, मैं मसीह के द्वारा, जो मुझे बल देता है, सबकुछ कर सकता हूँ।

आज के लिए वचन
निर्गमन 4:11 यहोवा ने उस से कहा, मनुष्य का मुंह किस ने बनाया है ? और मनुष्य को गूंगा, वा बहिरा, वा देखनेवाला, वा अन्धा, मुझ यहोवा को छोड़ कौन बनाता है ?

फिलिप्पियों 4:13 जो मुझे सामर्थ देता है उस में मैं सब कुछ कर सकता हूं।

हम दूसरों के साथ अपने संबंधों में या तो पुल बना रहे हैं, बाधाएं खड़ी कर रहे हैं या रणभूमि तैयार कर रहे हैं

हमारी ज़िंदगी के सफर में ऐसे मोड़ भी आते हैं जब दूसरों के साथ हमारे संबंधों में प्रगति रूक जाती है। हो सकता है आपकी जीवन साथी अचानक ही अलग दिषा में जाना चाहे, या कोई मित्र हमसे नाता तोड़ ले, या शायद हमारा कोई सहकर्मी अपने वायदों से मुकर जाए। आइए इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि शायद हमने ही कोई गलत कदम उठा लिया है।

edit copy

ज़िंदगी के ऐसे समय में हम क्या करते हैं? हमें उस संबंध और परिस्थिति को परमेष्वर के वचन के प्रकाष में देखना चाहिए। जब हम उसके नक्षेकदम पर चलते हैं, हम स्पष्टता से देखेंगे कि क्षमा का ज्योतिस्तंभ हमारी अगुवाई करेगा, दया हमें पुकारेगी और अनुग्रह हमारा सहयोग करेगा। याद रखें कि प्रत्येक परिस्थिति में हम दूसरों के साथ अपने संबंधों में या तो पुल बना रहे हैं, बाधाएं खड़ी कर रहे हैं या रणभूमि तैयार कर रहे हैं...यहि अक्सर हमारा चयन होता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, हम बात में, यहां तक कि दूसरों के साथ मेरे संबंध में भी आपकी योजना और पद्यति का पालन करने में मेरी सहायता करें। जहां मैंने गलत कदम उठाया वहां मुझे क्षमा कर दें और ज़िंदगी के सफर में आगे बढ़ते हुए वही क्षमा दूसरों के साथ बांटने का अनुग्रह और बल मुझे दें।

आज के लिए वचन

गलातियों 6:1 हे भाइयों, यदि कोई मनुष्य किसी अपराध में पकड़ा जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, नम्रता के साथ ऐसे को संभालो, और अपनी भी चौकसी रखो, कि तुम भी परीक्षा में न पड़ो।

2 कुरिन्थियों 5:18 और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिस ने मसीह के द्वारा अपने आप हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है।

जब हम पाप के बारे में प्रचार करते हैं तो हमें हमेषा यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे पाप करना नहीं चाहते थे!

बाइबल में क्षमा सबसे बड़ी तस्वीर उस महिला की है जो व्यभिचार करते पकड़ी गई थी और उसका न्याय करने के लिए उसे यीषु के पास लाया गया था। उसे यीषु के पास लाने वाले सभी लोग हैरान हो गए और श्रद्धा से भर गए क्योंकि यीषु ने उसके प्रति तरस दिखाया था और उनके पाप और कमज़ोरियां उन्हीं पर प्रकट कर दीं थी। उसकी संदेष दोहरा थाः दया न्याय से बड़ी है, और यदि परमेष्वर का अनुग्रह नहीं है तो मैं कुछ भी नहीं हूँ।

कुछ समय पष्चात जब यीषु क्रूस पर लटके हुए थे तो उन्होंने क्षमा और अनुग्रह के अपने संदेष का पूरा कर दिया। वह उस महिला के लिए और उनके लिए भी क्रूसार्पित हुए जिन्होंने उन्हें क्रूस पर चढ़ाया था और साथ ही साथ मेरे और आपके लिए भी। प्रभु के शब्दों की गूंज आज भी सुनाई पड़ती है ..... *"हे पिता, इन्हें क्षमा कर दे क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या करते हैं।"* जैसे जैसे हम सुसमाचार का संदेष आगे लेकर चलते हैं, हमें भी अपना व्यवहार वैसा ही बनाए रखना है जैसा क्रूस पर यीषु का था। जब हम पाप के बारे में प्रचार करते हैं तो हमें दयालू होना चाहिए और हमेषा यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे पाप करना नहीं चाहते थे।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझे क्षमा करने और हमेषा मेरे बारे में सर्वोत्तम सोचने के लिए आपका धन्यवाद। मेरी सहायता करें कि मैं आज दूसरों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार बनाए रखूँ ताकि वे भी आपके प्रेम को जान लें।

आज के लिए वचन

लूका 23:34 तब यीशु ने कहा; हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये जानते नहीं कि क्या कर रहें हैं? और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े बांट लिए।

मत्ती 7:1 दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए।